DKT

COPYRIGHT RESERVED XEV(S-II) – Hn (Comp)

100 Marks

2013

Time : 3 hours

Full Marks : 100

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।

The figures in the margin indicate full marks.

उपांत के अंक पूर्णांक के द्योतक हैं।

निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दें।

1. निम्नांकित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए : 15×3

(क) 'कुरुक्षेत्र' का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'कुरुक्षेत्र' के युधिष्ठिर का चरित्रांकन कीजिए।

(ग) यशोधरा का चारित्रिक वैशिष्ट्य निरूपित कीजिए।

(घ) 'यशोधरा' में सिद्धार्थ के महाभिनिस्क्रमण की प्रेरक परिस्थितियाँ का वर्णन कीजिए।

PPULearn.com

(ङ) आजादी के बाद भारतीय विज्ञान **अथवा** 'यज्ञ' का सारांश प्रस्तुत कीजिए।

(च) दिनकर **अथवा** मैथिलीशरण गुप्त का कवि-परिचय दीजिए।

2. निम्नांकित अवतरणों में से किन्हीं तीन की व्याख्या कीजिए : 10×3

(क) कौन केवल आत्मबल से जूझकर,
जीत सकता देह का संग्राम है?
पाशविकता खड्ग जब लेती उठा,
मनुजता का एक वश चलता नहीं।

(ख) सिद्धि हेतु स्वामी गये, यह गौरव की बात;
पर, चोरी-चोरी गये, यही बड़ा व्याघात।

(ग) देखी मैंने आज जरा।
हो जावेगी क्या ऐसी ही मेरी यशोधरा।

(घ) कौन रोता है वहाँ इतिहास के अध्याय पर,
जिसमें लिखा है नौजवानों के लहू का मोल है।

(ङ) द्रौपदी हो दिव्य वस्त्रालंकृता,
और भोगे हम अहममय राज्य यह!
पुत्र पति-हीना इसी सो तो हुई,
कोटि माताएँ करोड़ो नारियाँ।

PPULearn.com

(च) घूम रहा है कैसा चक्र,
वह नवनीत कहाँ जाता है
रह जाता है तक्र।

(छ) दूर्वा की नोक से जब हल्दी छिड़की जाती है तो ऐसा लगता है कि तितिक्षा के अग्रभाग से साक्षात् सौभाग्य छिड़का जा रहा हो।

(ज) साम्राज्य बने और टूटे, महाप्रजाएँ चढ़ीं और गिरीं, किन्तु इस ऐतिहासिक भूमि में दो नदियाँ अखण्ड बहती ही जा रही हैं। ये नदियाँ भूतकाल के गौरवशाली इतिहास की जितनी साक्षी हैं उतनी ही भविष्य की महान आशाओं की प्रेरक भी हैं।

3. निम्नांकित लघु उत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए : 5×3

(क) राहुल का चरित्रांकन

(ख) मैथिलीशरण गुप्त की वैष्णव-भावना

(ग) 'कुरुक्षेत्र' का षष्ठ सर्ग

(घ) कुरुक्षेत्र की भीष्म

(ङ) काका साहेब कालेलकर का परिचय

PPULearn.com

(च) हरिशंकर परसाई का व्यंग्य-लेखन

(छ) विष्णुकांत शास्त्री का परिचय

(ज) ललित निबन्ध

4. निम्नांकित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×10

(क) 'कुरुक्षेत्र' खंडकाव्य है या महाकाव्य?

(ख) 'कुरुक्षेत्र' में कुल कितने सर्ग हैं?

(ग) 'यशोधरा' गद्य-काव्य है या चम्पूकाव्य?

(घ) 'यशोधरा' में शुद्धोदन की क्या भूमिका है?

(ङ) 'सप्तसागर महादान' किसकी रचना है?

(च) किसी प्रसिद्ध ललित निबन्ध-लेखक का नाम लिखिए।

(छ) 'मुक्तियोद्धाओं के शिविर में' किसकी रचना है?

(ज) 'धीरा है यशोधरा, तू धैर्य मैं कैसे धरूँ' किसकी उक्ति है?

(झ) 'हिमालय' शीर्षक कविता किसने लिखी है?

(ञ) 'साकेत' किसकी रचना है?

——— × ———

PPULearn.com